ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७
दिनांक- मंगलवार,२३ जनवरी,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः १८.२ एवं ८.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६४ सुबह में एवं दोपहर में ७६ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ०.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ३.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १२.२ एवं दोपहर में १६.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। इस अवधि में अधिकतम तापमान सामान्य से ४-६ डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहा। उत्तर बिहार के जिलों में कोल्ड-डे स्थिति बनी रही।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२४-२८ जनवरी,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २४-२८ जनवरी, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर बिहार के जिलों में अब कोल्ड-डे की स्थिति लगभग समाप्त हो गई है, हलाँकि सामान्य तथा उससे अधिक ठण्ढ़ बनी रहेगी। सुबह में अनेक स्थानों पर हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- दिन के तापमान में वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि रात के तापमान सामान्य के आसपास रह सकता है। जिसके चलते इस अवधि में अधिकतम तापमान के १६ से २१ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान ६ से ८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- २४ जनवरी को उत्तर बिहार के वैशाली, बेगुसराय, दरभंगा, मधुबनी जिलों में पूरवा हवा चल सकती है, उसके बाद सभी जिलों में औसतन ८ से ११ कि० मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५० प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- अक्टुवर-नवम्बर महीनों मे रोपी गई ईख की फसल में हल्की सिंचाई करे। जो किसान भाई ईख लगाना चाहते हैं, खेत की तैयारी कर इस महीने के अन्त में बुआई शुरु कर सकते है।
- राई-सरसों में सफेद रतुआ तथा अल्टरनेरिया पत्रलांक्षण रोग के संक्रमण के लिए अनुकुल है। प्रकोप दिखाई दे तो मैन्कोजेब दबा २ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मौसम साफ रहने पर छिड़काव करें।
- आम के बगीचों मे मंजर आने के पहले कार्बारिल ;सेविनद्ध दवा का २ ग्राम अथवा डाईमेथोएट दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर पेड़ों पर छिड़काव करें।
- गेहूँ की फसल में दीमक कीट से बचाव हेतु क्लोरपायरीफाँस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर शाम के समय खेत में छिड़काव कर सिंचाई करें।
- झुलसा रोग से बचाव के लिए आलू की फसल में रिडोमिल नामक दवा का १.५ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें। खेतों में नमी को देखते हुए आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। टमाटर, मटर एवं मक्का की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- खेतों में कम नमी को देखते हुए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि सब्जियों की फसल में सिंचाई करें। फ्रेंचबीन, पालक, मटर, फुलगोभी आदि फसलों पर सिंचाई करें एवं फँफुदनाशक दवा का प्रयोग करें। अगर पत्तियों पर रोग के धब्बे दिखाई दें, तो मैन्कोजेब दवा का २ ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे।
- कम तापमान के प्रभाव से वचाव हेतु दुधारु पशुओं को पुआल का मोटा बिछावन लगावें एवं खिड़की, दरवाजे पर बोरा लगाएं। खाने में तेलहन अनाज को पीसकर दें एवं सेंधा नमक ५० ग्राम प्रति दिन दें। हरा चारा के साथ सूखा भुसा आवश्य मिलाए। दुधारु एवं गाभीन गायों को प्रति दिन १ किलोग्राम अतिरिक्त दाना मिश्रण दें। साफ एवं गुनगुना पानी पुरे दिन पिलाए।

आज का अधिकतम तापमानः २०.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य २.० डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः ७.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य ०.५ डिग्री सेल्सियस कम

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी